Baba’s Praise

12/6/2015

- ✓वही पतित-पावन है।
- ✓हम किसकी पूजा नहीं करते हैं क्योंकि जो सबका पूज्य है ऊंच ते ऊंच भगवान, उनकी हम सन्तान हैं। वह है ही पूज्य पिताश्री।
- ✓अभी तुम बच्चे जानते हो - पिताश्री हमको अपना बनाकर और पढ़ा रहे हैं। सबसे ऊंच ते ऊंच पूज्य एक ही है, उनके सिवाए और कोई पूज्य बना न सके।
- ✓बाप आते हैं एक बार। उनको जानना भी एक बार होता है। आते भी एक ही बार संगमयुग पर हैं। पुरानी पतित दुनिया को आकर पावन बनाते हैं।
- ✓अभी तुमको मालूम पड़ा है, ज्ञान का सागर बाप ही है, वही भक्ति का फल देते हैं, जिसने जास्ती भक्ति की है, उनको जास्ती फल मिलेगा।
- ✓ऊंच ते ऊंच है भगवान शिव।